भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्याः 920
गुरुवार, 4 दिसंबर, 2025/13 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

महाराष्ट्र के हिंगोली में हवाई संपर्क

920. श्री नागेश बापुराव अष्टिकर पाटिलः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि हिंगोली जिले में वर्तमान में कोई प्रचालनात्मक सिविल विमानपत्तन नहीं है जिसके कारण निवासियों, किसानों, व्यापारियों, छात्रों और आपातकालीन चिकित्सा निकासी की आवश्यकता वाले लोगों को लंबी दूरी की यात्रा करने के लिए बाध्य होना पड़ता है जिसके परिणामस्वरूप समय लागत में वृद्धि, असुविधा और जोखिम बढ़ जाता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) हिंगोली शहर या जिले के भीतर सरकार द्वारा नामित केन्द्रों से निकटतम प्रचालित विमानपत्तनों तक की दूरी और यात्रा में लगने वाले समय का ब्यौरा क्या है और नागरिक हवाई संपर्क की कमी के कारण होने वाली आर्थिक, पर्यटन, चिकित्सा और व्यापार संबंधी हानियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार को उड़ान जैसी क्षेत्रीय संपर्क योजना या किसी अन्य नीतिगत ढांचे के अंतर्गत हिंगोली जिले में ग्रीनफील्ड या ब्राउनफील्ड हवाई पट्टी/विमानपत्तन की पहचान, सर्वेक्षण, व्यवहार्यता अध्ययन, स्थल चयन या विकास के लिए महाराष्ट्र राज्य सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है अथवा उस पर विचार किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): भारत सरकार की ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा (जीएफए) नीति, 2008 के तहत, परियोजना प्रस्तावक - कोई हवाईअड्डा विकासकर्ता या संबंधित राज्य सरकार, जो ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा स्थापित करने हेतु इच्छुक हैं, उसे निर्धारित प्रारूप में नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) को एक प्रस्ताव भेजना आवश्यक है। ऐसे प्रस्तावों पर एमओसीए द्वारा जीएफए नीति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार विचार किया जाता है। वर्तमान में, जीएफए नीति के अनुसार महाराष्ट्र के हिंगोली में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के विकास के लिए इस मंत्रालय में कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

'असेवित/अल्पसेवित हवाईपट्टियों का पुनरुद्धार' योजना के तहत, आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए उड़ान योजना के तहत बोली के दौर में पहचाने जाने के बाद विकास के लिए केवल मौजूदा हवाई पट्टियां को ही लिया जाता हैं।

******